**भारत सरकार**
**नागर विमानन मंत्रालय**
**लोक सभा**
**लिखित प्रश्न संख्या : 499**
**गुरुवार, 28 नवंबर, 2024/7 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर**

**नये विमानपत्तनों का विकास**

**499. श्री मलैयारासन डी.:**
**श्री थरानिवेंथन एम. एस.:**

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार की वर्तमान योजनाओं के अंतर्गत तमिलनाडु सहित देश भर में कितने नए विमानपत्तनों का विकास किया जा रहा है;

(ख) उक्त नए विमानपत्तन किन-किन स्थानों पर विकसित किए जा रहे हैं और इनके पूरा होने की संभावित समय- सीमा क्या है;

(ग) इन विमानपत्तनों के निर्माण के लिए कुल कितनी निधि आबंटित की गई है और इनके वित्तपोषण का स्रोत क्या है;

(घ) इन नए विमानपत्तनों का स्थानीय क्षेत्रों, विशेषकर रोजगार और पर्यटन पर क्या आर्थिक प्रभाव पड़ने की संभावना है; और

(ङ) क्या सरकार का कनेक्टिविटी में सुधार लाने के लिए कम सुविधा वाले या दूरदराज के क्षेत्रों में विमानपत्तनों का विकास करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)**

(क) से (ग): भारत सरकार (जीओआई) ने ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट (जीएफए) नीति, 2008 के अनुसार, देश भर में 21 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों नामतः गोवा में मोपा (परियोजना लागत-3400 करोड़ रुपए), महाराष्ट्र में नवी मुंबई (परियोजना लागत-19646 करोड़ रुपए), शिरडी (परियोजना लागत - 320 करोड़ रुपए) और सिंधुदुर्ग (परियोजना लागत-520 करोड़ रुपए), कर्नाटक में कलबुर्गी (परियोजना लागत-175.57 करोड़ रुपयए), विजयपुरा (परियोजना लागत-348 करोड़ रुपए), हसन (परियोजना लागत-193.65 करोड़ रुपए) और शिवमोग्गा (परियोजना लागत-449 करोड़ रुपए), मध्य प्रदेश में डबरा (ग्वालियर) (परियोजना लागत-200 करोड़ रुपए), उत्तर प्रदेश में कुशीनगर (परियोजना लागत-448 करोड़ रुपए) और नोएडा (जेवर) (परियोजना लागत-10056 करोड़ रुपए), गुजरात में धोलेरा (परियोजना लागत-1305 करोड़ रुपए) और हीरासर (राजकोट) (परियोजना लागत-1405 करोड़ रुपए), पुडुचेरी में कराईकल (परियोजना लागत-50 करोड़ रुपए), आंध्र प्रदेश में दगादर्थी (परियोजना लागत-293 करोड़ रुपए), भोगापुरम (परियोजना लागत - 4727 करोड़ रुपए) और ओर्वाकल

(कुरनूल) (परियोजना लागत-187 करोड़ रुपए), पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर (परियोजना लागत-670 करोड़ रुपए), सिक्किम में पाक्योंग (परियोजना लागत - 553.53 करोड़ रुपए), केरल में कन्नूर (परियोजना लागत-2342 करोड़ रुपए) और अरुणाचल प्रदेश में ईटानगर (परियोजना लागत-646 करोड़ रुपए) की स्थापना के लिए 'सैद्धांतिक' अनुमोदन दे दिया है।

इनमें से 12 ग्रीनफ़ील्ड हवाईअड्डे नामतः दुर्गापुर, शिरडी, कन्नूर, पाक्योंग, कलबुर्गी, ओर्वाकल (कुरनूल), सिंधुदुर्ग, कुशीनगर, होलोंगी (ईटानगर), मोपा, शिवमोग्गा और राजकोट (हीरासर) में प्रचालनिक हो गए है।

इसके अलावा, भारत सरकार ने 9 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों नामत: राजस्थान में अलवर, मध्य प्रदेश में सिंगरौली, हिमाचल प्रदेश में मंडी, केरल में कोट्टायम, ओडिशा में पुरी, असम में दोलू, तमिलनाडु में परंदूर, राजस्थान में कोटा और कर्नाटक में रायचूर के निर्माण के लिए 'साइट क्लीयरेंस' भी दे दी है।

ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा (जीएफए) नीति, 2008 के अनुसार, भूमि अधिग्रहण, परियोजना लागत को अंतिम रूप देने और इसके वित्तपोषण, आदि सहित ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा परियोजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संबंधित हवाईअड्डा विकासक या राज्य सरकार, जैसी भी स्थिति हो, की है। हवाईअड्डा परियोजनाओं के पूरा होने की समयसीमा कई कारकों पर निर्भर करती है जैसे भूमि अधिग्रहण, अनिवार्य क्लियरेंसों की उपलब्धता, वित्तीय समापन, आदि।

(घ): हवाईअड्डे, आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में उभरे हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था पर इनका गुणक प्रभाव पड़ता है। नागर विमानन क्षेत्र और आर्थिक विकास के बीच संबंध सर्वविदित है। अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि हवाई संपर्क का आर्थिक गुणक 3.1 और रोजगार गुणक 6.1 है। इसके अलावा, देश में हवाईअड्डों के विकास से क्षेत्रीय संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि, आर्थिक विकास को प्रोत्साहन तथा पर्यटन में वृद्धि होने की संभावना है।

(ङ): नागर विमानन मंत्रालय ने क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ावा देने और आम जनता के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाने हेतु दिनांक 21.10.2016 को क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) - उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) की शुरूआत की। उड़ान योजना का उद्देश्य मौजूदा हवाई पट्टियों और हवाईअड्डों के पुनरुद्धार के माध्यम से देश के असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों को संपर्क प्रदान करना है। उड़ान योजना के अंतर्गत, तमिल नाडु में सेलम सहित 86 असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों (13 हेलीपोर्टों और 02 वाटर एयरोड्रोमों सहित) को प्रचालनिक किया गया है।

******